

डोंगर जावो डोंगर जावो

डोंगर जावो, डोंगर जावो डोंगर जावो २

मौर साजा कु बीरछा डोंगर जावो २;

मौर साजा कु बीरछा डोंगर जावो २;

मौर छाकुर देवता डोंगर जावो २;

①. रामे ला जायो रामायण.

जायो तोला सुमिरव १,

मौर छाकुर देवता तोला सुमिरव १.

मौर मंडो के देवलोलोला सुमिरव १,

डोंगर जावो - - - - -

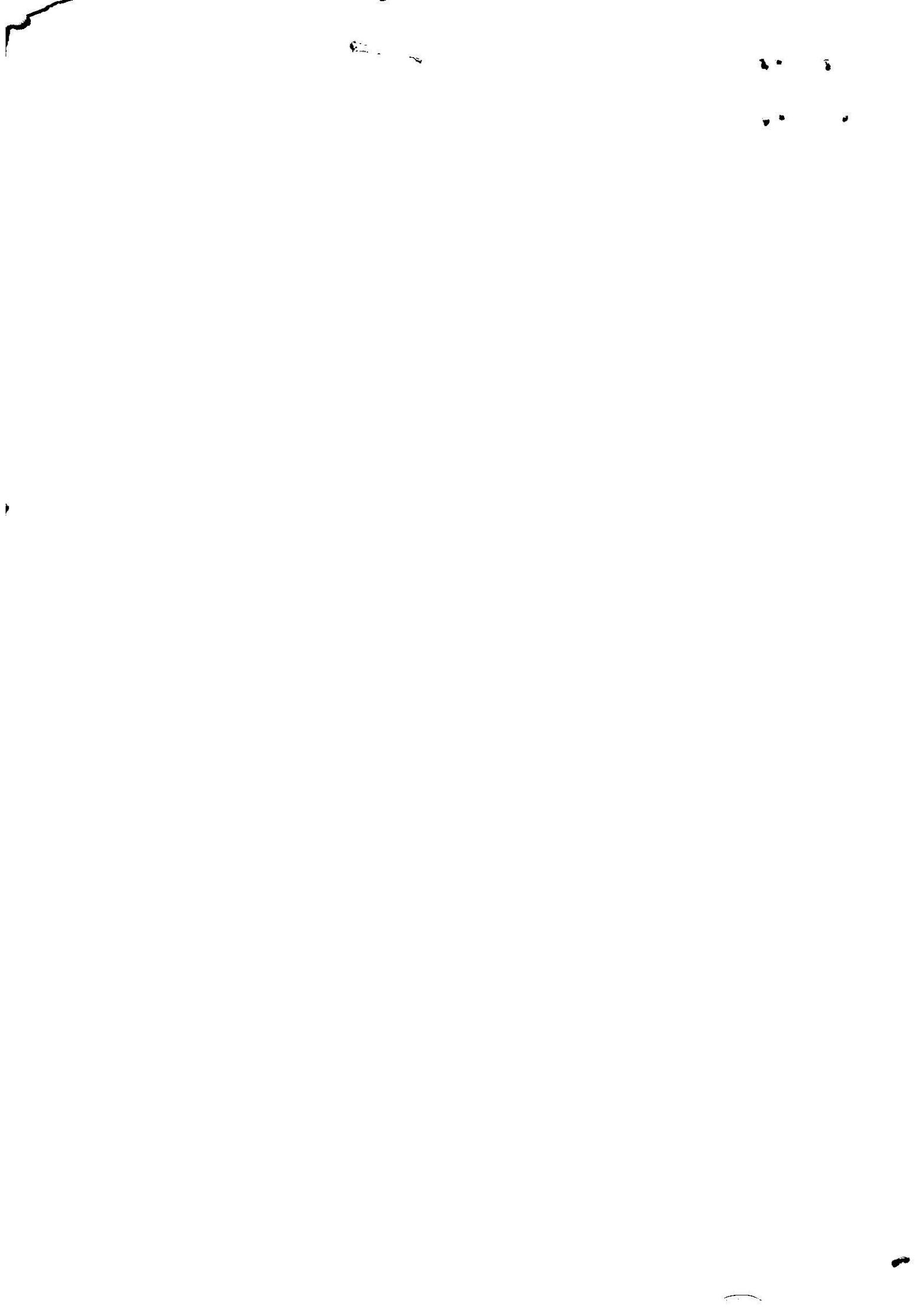
②. कालिन फल के अजरा गजरा.

कालिन फल के हर,

कालिन फल के माथ भा बिदिया.

कालिन सोला सिंगार,

डोंगर जावो - - - - - |



लहर-लहर मोरझड़ा

स्थाई लहर-लहर और अंडा करदे.

आगे हवेय जनता कुराज
बर सुवा हो,
बर सुवा हो,

①. गोदी बहात्ता के तीन रंग इंडा.

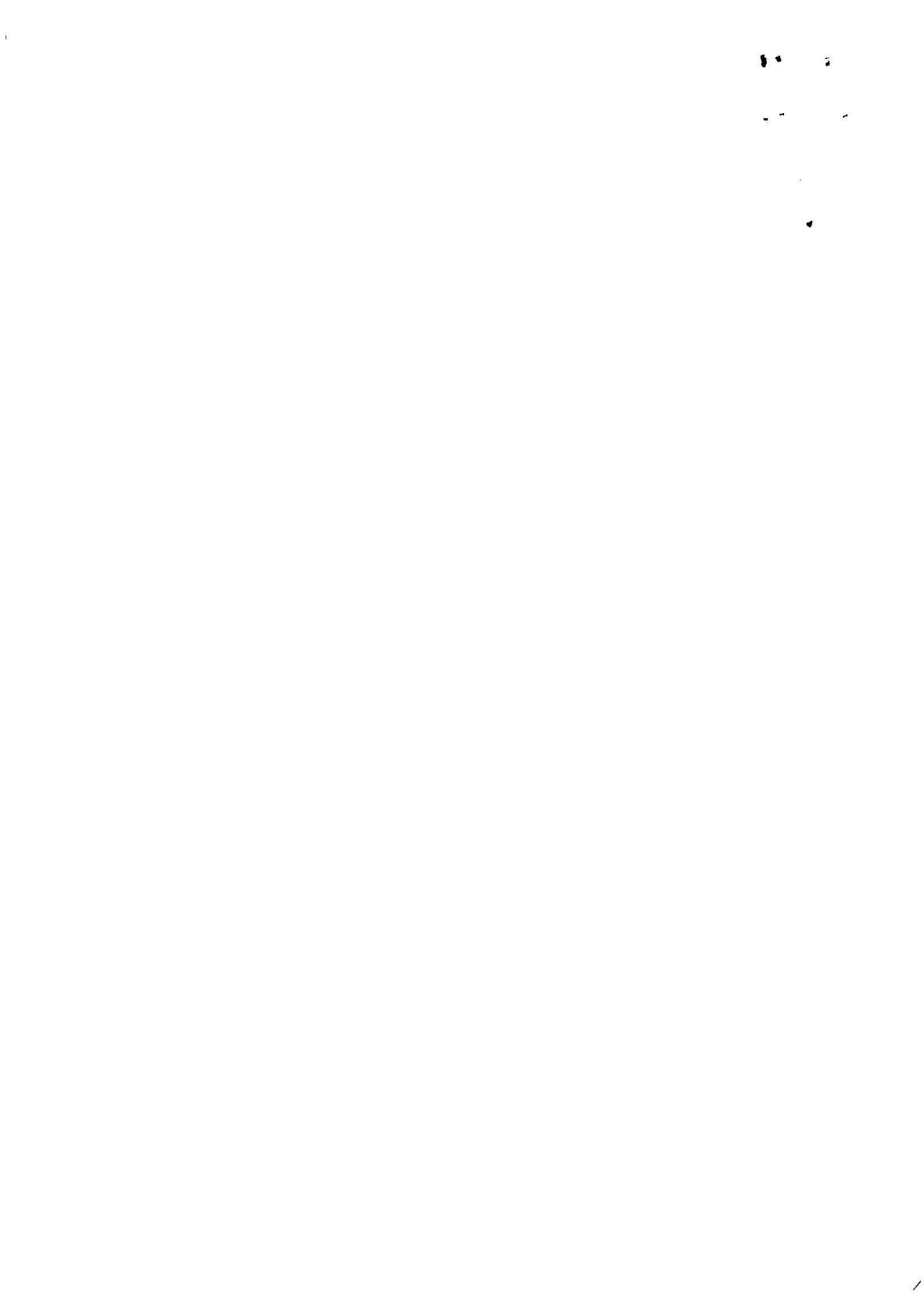
तीनों दुनों के निष्ठान
बर सुवा हो,

②. ऊपर नीचे ना हरियर, केसारिया.

पड़रा रंग हवेय
बर सुवा हो,
सचरिया
बर सुवा हो.

③. पड़रा रंग हा सचरिया बताये.

केसरिया बताये लहु ला मत बहाव
बर सुवा हो,
हरियर बताये सब ला भिलाव
बर सुवा हो।



अंगना मा भारत माला के

स्थाई अंगना मा भारत माला के,
सोने के बिहनिया ले चिरहया थोके,

①. चांदी हिमालय झुक्ट सेवारे.

सागर धोये पग धुल,
संक्षा के थोरा जे का छाहिए सोगी
लाली रवेखमा कस फूल।

अंगना मा —————— |

②. दिन कु तुरियर पीवरा पहिरे.

रालिया चढ़नी कु झुल,
नदियों नरवा श्रीख अउ शरिया,
पवल मधुवन के झुल,

अंगना मा —————— |

③. झुक पहर के बरह भटिला.

बरह किसम कु आय,
फ्राहु धाम कमहु अउ जालिला.
कमहु नीर बरसाय,

अंगना मा —————— |



सिंगार करव वो

रथारः सिंगार करव वो वेश तु शुद्धयां।
मेर मारत तु किसान,

①. तोर थर जिहुं तोर थर थरहं।

तली हा भोर प्राण,
तोर छोर भा हिमालय पवत्।

फुण्डा छोरे गुगा नमुना,
ठुड़ चौंडी दार,

बाहिय नदियां के धार,
सिंगार करव वो ——————।

②. सागर तोर पाँव धोवत हैं।

जगल कृप स्वारे हैं,
रम्पा चमेली कल चढ़ हैं।

आरती सुरज उतारे हैं,
सिंगार करव वो ——————।



मोर गवई गंगा हे

स्थाई- होड के गवई शहर इहर,
झनूजा, झनजा गंगा हे,
मोर गवई गंगा हे,

①. ये भया के बादल हे, भारत मा जाजर हे,
ये झुइया के अचरा हे,
ये धरती के कचरा हे,
जुगुर जागर रात हेल हे,
सुहुल पुहुल स्वेच्छा हे,
मोर गवई गंगा हे.....।

②. ये नवा डित्हनिया हे, ये भया के डिनिया हे,
ये देवता के उरा हे,
ये सती के धोरा हे,
ये सती के मांग के सिंदूर हे,
ये पुणी के चंदा हे,
मोर गवई गंगा हे.....।



द्वोटे द्वोटे भइका हरण

द्वोटे भइका हरण २ लागन तोर पड़या,
सरलवती भैया बीणा के घन इया,

①. हे हंस वालिं हे वेद धारणी,
हे सूर के शांगिनी हे मुख पाणी,
हमरो दुख का तारबु भैया,
दुरव के हरया भैया,

सरलवती ----- |
द्वोटे द्वोटे ----- |

②. हे ब्रह्मपाणी, हे विद्या दायरी,
हे भयुर वालिं हे जिणा वासीनी,
गालती ल हमरो द्यमा कर दे,
सुध छुध के रख्या भैया,

सरलवती ----- |
द्वोटे द्वोटे ----- |



तुमन रवेलव दुलरवा

कथाई. तुमन रवेलव दुलरवा २न थन. २न थन हो

(१). काकड़ लड़का बाल बरमू देवगोरिया
काकड़ लड़का बच्चे की रक्षा,
२न थन. २न थन हो. हो

(२). घहवन लड़का भोर बाल बरमू देव
आहिरा लड़का गोरिया,
२न. थन २न. थन हो. हो

(३). बरमा रहिथे बाल बरमू देव
गोरिया या रहिथे गोरडिया
२न. थन २न. थन हो. हो

(४). कायला पुजंव लेवो भोर बाल बरमू देव
काय लड़का लेवो थनके रक्षा,
२न. थन २न. थन हो. हो



तै कइसे उड़ाये हे

रथारिः तै कइसे उड़ाये हे मैन।
ये पिंजरा ला होरी बिना कुकइसे उड़ाये,

①. ये पिंजरा के नौ दुरवाला को न आहे ले भाऊं।
कल आहे कब आहे, काबरु ते नर गये बताक
भीला ते भरभाये हे मैन,
लैकरसे - - - - -

②. तै नई हस तब ये पिंजरा, कुठिय कम नही हे,
तोर बिना शैकर, कुम्हत स्पृह पसा के दोम केनडे हे,
तै हर का दुख पाय हे मैन,
ये पिंजरा - - - - -



ये गाड़ीवाले

स्थाइः ये गाड़ीवाले गाड़ीभा महुल्हा चढ़ा ले
सुझा है तोर गाड़ी सोनी सेंग ना भड़ुल्हावैठा

(१). गंज दुरिहा हेरे नभिंदा बेला,

महु छ आवथ हव, अछेला.

गंज दुरिहा हेरे ये गा लैउगा

महु छ गाड़ीभा चढ़ा ले.

ये गाड़ीवाला - - - - -

(२). संग भे लेंदौ(लैरै) संगी,

दुनिया हंसी हे दुनिया हंसी,

संगी जहुरिया ताजा भारती,

ये ओ लेड़गी कश्से बड़ठाओ तीक्ष्णा

ये गाड़ीवाले - - - - -



ये दुरी ओ

स्थाईः - ये दुरी ओ, ये दुरी ओ

आहुं फाल्गुन मा लिपुष्व

१. तरिया के पार मा रवडे रक्कहिंदे ते - २

आहुं लिपु ष्वर तोला भोतर कार मा.

तोला भोतर कार मा. - २

ये दुरी

२. सुरता हा जोंरी तोर घेरी बोरी आही - २

सुरता हा तोर पगली भोला रे शेवाही

भोला (रे शेवाही) - २

ये दुरी



आमा तरी डोला

रुद्धार्हः आमा तरी डोला ल उतार दे,
आमा लरी डोला ल उदार दे, उतार दे,

①. नरगे भंशनिया के धानु ओ।

आमा तरी डोला ल उतार दे,
पहली लैपन बहु सस्तुर भोर आये,
नड़ जावा सस्तुर के साय ओ,
आमा तरी - - - - - |

②. दुसरे लैपन बहु देवर खाव आये
नड़ जाओ देवर के साय ओ,
आमा तरी - - - - - |

③. तीसरी लैपन बहु संदया भोर आये,
नेट जाहु संदया के साय ओ,
आमा तरी - - - - - |
होरे बिंदा के थेरा ओ,
धीर-धीर ओला ला उतार दे.



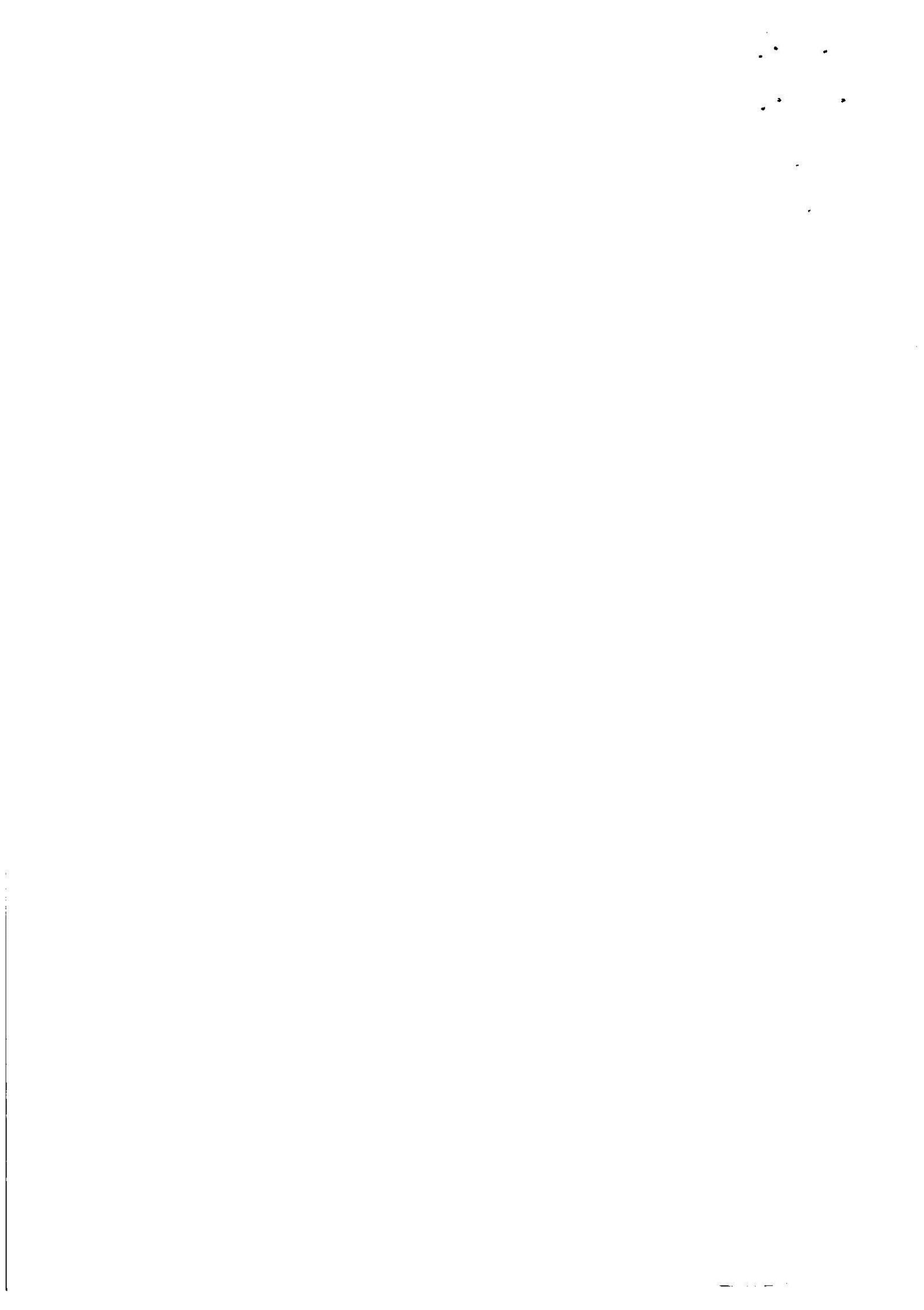
बांसुरिया बीना गइया

कथाईः बांसुरिया बीना गइया रोय कूर्गा,
महुली भा बइठ कु रोय भइया,
बांसुरिया - - - - - |

(1). कौने रंग गइया वाई कौने रंग बछड़ा,
कौने रंग हव परपरहा ओ,
बांसुरिया - - - - - |

(2). पउरा रंग गइया ओ दीदी,
पउरा रंग बछड़ा ओ दीदी,
बांसुरिया लीना - - - - - |

(3). सोवला रंग हव परपरहा ओ,
बांसुरिया लीना - - - - - |



चल ना जावो गा

रुथाइ- चल ना जावो गा रवैरागद भेला.
पुन्ही आग तेर चलना जावो भेला,

①. पुहली खोने सब जल लेषो या नग लेषो न,
जारियल के भेला चढ़ा लेषो या चढ़ा लेषो न,
चल ना जावो - - - - - |

②. मन चाला भन्नत ला पर्बो न,
आनी घनी के भिठड लेषो न,
चल ना जावो - - - - - |

③. रहटुली के भजा धलो लेषो न,
रहुशियर के रस ला चुक्क लेषो न,
चल ना जावो - - - - - |

④. देख-देख के ओमन जलत लोही न,
हमन सषला अउ अक्षरो न,
चल ना जावो - - - - - |



कांचा कली मा

स्थाई, कांचा कली मा सेमहर फुलगे,
कोनो बाते अदृश्या कु नजर झुलगे,
फुलगे तोरडिया मार गहेबार.
लैते बता तो भेह काकर हो- २
कांचा कली । । । । । । । । । । । । ।

①. भन ला, मिलाके पल दीस परदेश,
मे भंगो ते काकर ले भंगो संदेश,
कांचा कली । । । । । । । । । । । ।

②. बिन माली फुलवारी सुनना होगो,
फुल फुलगे दुरप उण्णा ढुना होगो,
कांचा कली । । । । । । । । । । ।

③. लरिया के बहरी ऊपर धम ले,
जाव वाली चिरडिया धम ले,
कांचा कली । । । । । । । । । ।



चल किंजर आबों दीदी

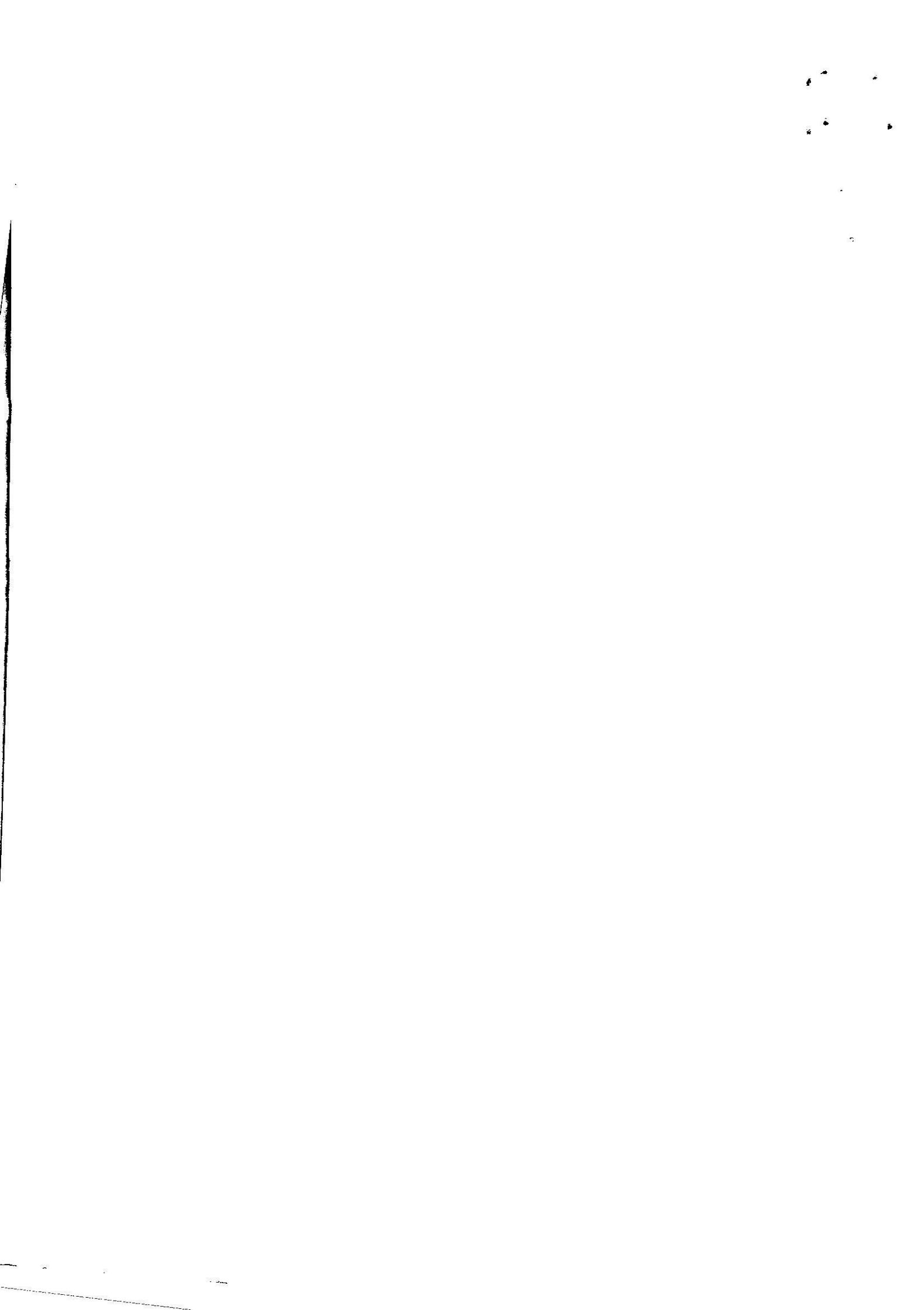
स्थाइ - चल किंजर आबों दीदी.

छुपला के बाजार चल किंजर आबों ?

①. तोरे अगोरा या बेरा पहागे ओ - २
बउ बेरा उर दीदी जी या उर समागे ओ -
चल किंजर आबों ।

②. बुम्हरी के पेड़ ले गिररे पैरील - २
बार मन या बुस हे परदेशी बौरी.
चल किंजर आबों ।

③. चांदी के फुंदरी रेकाम के ल्कणरा - २
ले दहु तौर पर दीदी लाली छु ल्कणरा ओ.
चल किंजर आबों ।



मोर भारत देश

कहाइ. सभ्यका संसार मा, तोर आन हे,
जय भारत भाग तोक्षा मे भाथनवाव रे.
जय जवान अउ जय-जय वीर किसान के,
मोर भारत देश भहान के पइया भागव रे.

①. सबो धरम, भारत मे भइया लोकतंथ्र की भाया,
आल अबग हे यहा सबो के रुक्त ली काया भइया,
भारत भा साविधान अउ छइसन सान हे
मोर भारत देश ॥

②. देश के सीमा भा पहरदार एक्टे हे वीरजवान,
झेती खेत भा लड़ पसीना बहे हे वीर किसान,
दलो के हिम्मल अउ ज्ञान हे,
मोर भारत देश ॥



कहासुन के घटाओं पातः

कथा॒ः १) इसे भन के घटाओं बाह दे और जवारा,
दे और जवारा-५ और जवारा,

(१) आदो गी तीव्रा रहेव मैं संगी।

या संगी चेत मे लीनी रात,
चेत मे लीनी रात,

तीस दिपस मे कातिकु बहायें
तेर दशरथ के आम

कहासुन के घटाओं बाह

(२). भाराभारस मे शिवपुजेंप, करौव.

सोला रहेव, शिवराम,

या कर लद्धा ये दूला पायेव,

धन हयहाव और भाग,

कहासुन के - - - - - - - - - - - - - - - -



काहों होंगे तोला

कथाईः काहों होंगे लोला बहिनी और काहोंगे तोला।
काहोंगे तोला बहिनी और मन मन शुनयांहस
काहोंगे तोला ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥

(१). लाली रुद्र चुड़ी है लाली के लुंगरा - २
लाली के टिक्की लगायीव लालीच के फुंदरा,
काहोंगे तोला ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥

(२). कागे आ सुमका नाके आ छुलीयां - २
कनिला आ चारी करधब सुनकुन परीया
काहोंगे तोला ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥

(३). चोदी के सुता है चोदी के पुतरी - २
जोड़ आ बदिया हो चोदी जु चौदीया
काहोंगे तोला बहिनी और काहोंगे वरीया ॥
काहोंगे तोला बहिनी और मन मन शुनयांहस
काहोंगे तोला ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥



टेड़ा के पार्टी

①. टेड़ा के पार्टी लपक लोहरा - २
गंगा जमुना के पानी लूता भै तोहरा
कायी नड़ बाचो, ददा नड़ बाचो
दुरा, बोकु, शुधे डुरी धी भा, राधे,
डुरी के ल बोले डुरा के ल भी है दोष
और राहुद मचाड़ेर भौर सुरपा विलहारी
ओ सुपला के बाजार गिर के आव दोश
टेड़ा के पार्टी - १, १, १, १, १, १, १, १

②. चुड़े रे पहिरे लम्हा के बुहिरा - २
तोर अलगा धरोंदा आभा के दाहिवा
बाँड नड़ बाचो, कदा नड़ बाचो
दुरा, बोकु शुधे डुरी धी भा, राधे,
डुरी के ल बोले डुरा के ल भी है दोष
और राहुद मचाड़ेर भौर सुरपा विलहारी
ओ सुपला के बाजार गिर के आव दोश
टेड़ा के पार्टी - १, १, १, १, १, १, १, १

